पत्र संख्या–वाद–अनुभाग / परिपत्र / 2025–26 / 2526004 471 / राज्य कर

प्रेषक,

आयुक्त. राज्य कर,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

अपर आयुक्त, राज्य कर, गौतमबुद्धनगर, जोन–नोएडा।
एवं समस्त अपर आयुक्त ग्रेड–1, राज्य कर, उ0प्र0।

(वाद–अनुभाग) **लखनऊः दिनांक 24 जून, 2025**

महोदय,

कृपया शासन के पत्र संख्या–186 / 1938001 / 11.05.2025 दिनांक 11.06.2025 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें,जिसमें न्याय विभाग द्वारा रिट याचिका सं0 4058(रिट सी) / 2025,श्रीमती मंगला व अन्य 2 बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक–19.05.2025 का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने की अपेक्षा की गयी है।

मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद लखनऊ बेंन्च द्वारा अपने निर्णय में यह निर्देश दिये गये है कि मा0 उच्च न्यायालय के समक्ष दाखिल किये जाने वाले प्रतिशपथ पत्र अन्तिम समय से पूर्व दाखिल किये जाये,जिससे प्रतिशपथ कोर्ट रिकार्ड पर समय से अध्ययन हेतु उपलब्ध हो सकें।

निर्णय के मुख्य अंश निम्नवत् हैः–

Before parting, we would like to put it on record that off late we find that whenever we order any officer to appear either in person or through video conferencing, invariably, we also ask the officer to submit an explanation on affidavit prior to the next date fixed in the matter. Such files are sent to our residence so that we may go through the affidavit, if any, filed by the officer, so that not much time is consumed during course of proceedings, however, almost everyday we find that the affidavits which are required to be filed before the date fixed are not on record, and invariably, they are filed on the date fixed in the Court itself. This is not at all a happy state of affairs, as, it unnecessarily wastes our time. On being confronted, Shri Manish Mishra, learned Additional C.S.C. informs that this is a difficulty which they are also facing, and this is on account of the fact **that the officers do not contact the C.S.C. office well in time so that such affidavits can be filed at least three or four days prior to the date fixed.** Shri Shailendra Kumar Singh, learned Chief Standing Counsel is also present. He says that he will look into the matter so that this situation does not arise in future. The officers would be better advised to contact the concerned Standing Counsel or C.S.C. well in advance so that the desired affidavit is filed promptly and is available in Court records for perusal of the Court, prior to the date fixed.

Copy of this order be sent formally to the Chief StandingCounsel for further action,and also to the Legal Remambrancer,U.P for ensuring the same.

अतः उक्त महत्वपूर्ण निर्णय को इस पत्र के साथ इस निर्देश के साथ संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है कि मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय का संज्ञान लेते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष प्रति शपथ पत्र तीन या चार दिन पूर्व दाखिल कराया जाना सुनिश्चित करें। उक्त निर्देशो का कडाई से अनुपालन किया जाए।

यह पत्र आयुक्त,राज्य कर के अनुमोदनोपरान्त जारी किया जा रहा है।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(अमरनाथ यादव)
अपर आयुक्त (विधि) राज्य कर,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पृ०प०सं० व दिनांक उक्त।

प्रतिलिपि–1–प्रमुख सचिव, राज्य कर, उत्तर प्रदेश, शासन लखनऊ को सादर सूचनार्थ।

2–अपर आयुक्त ग्रेड–1/2, (उच्च न्यायालय कार्य) राज्य कर, प्रयागराज/लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।

3–संयुक्त आयुक्त (आई0टी0) राज्य कर,मुख्यालय,लखनऊ को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि उक्त परिपत्र को विभागीय वेबसाईट पर प्रकाशित करने का कष्ट करें।

24.6.25

अपर आयुक्त (विधि) राज्य कर,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

तत्काल

संख्या- 186/1938001/11-5-2025

अपर आयुक्त / JC (सेवावाद / वाद) ✓

प्रेषक,

सुनील कुमार मण्डल
अनु सचिव,
उ0प्र0शासन।

1092

आयुक्त
12.06.2025

सेवा में,

आयुक्त,
राज्य कर विभाग,
उ0प्र0, लखनऊ।

राज्य कर अनुभाग-5 लखनऊः 11-06-2025

विषयः: रिट याचिका संख्या-4058(रिट सी)/2025, श्रीमती मंगला व अन्य 2 बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 19-05-2025 का अनुपालन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी, अनुश्रवण प्रकोष्ठ (न्याय विभाग), उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या-136/सात-न्याय-अनु0प्रको0/2025, दिनांक 03 जून, 2025, की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया न्याय विभाग द्वारा की गयी अपेक्षानुसार उपर्युक्त रिट याचिका में पारित मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 19-05-2025 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,
Digitally signed by SUNIL KUMAR MANDAL
Date: 11-06-2025 13:50:02
(सुनील कुमार मण्डल)
अनु सचिव।

संख्या-186(1)/11-5-2025 तददिनांक

प्रतिलिपि संलग्नक सहित निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. - अनुभाग अधिकारी ,राज्य कर अनुभाग-1,2,3,4 एवं 5

आज्ञा से,

(सुनील कुमार मण्डल)
अनु सचिव

महत्वपूर्ण

संख्या- 136/सात-न्याय-अनु0प्रको0/2025

प्रेषक,

विनोद सिंह रावत,
प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

समस्त अपर मुख्य सचिव/
प्रमुख सचिव, उ0प्र0 शासन।

अनुश्रवण प्रकोष्ठ (न्याय विभाग) लखनऊ: दिनांक 03 जून, 2025

विषय:- मा0 उच्च न्यायालय द्वारा केस नं0- 4058 (रिट सी)/2025, श्रीमती मंगला व अन्य 2 बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित आदेश दिनांक 19.05.2025 के अनुपालन के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक सीनियर रजिस्ट्रार, मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, लखनऊ बेंच के पत्रांक रिट सी-2/एलकेओ/नं0-5145, दिनांक 23-05-2025 (छायाप्रति संलग्न) का अवलोकन करने का कष्ट करें जिसके माध्यम से केस संख्या-4058 (रिट सी)/2025, श्रीमती मंगला व अन्य 2 बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित आदेश की प्रति सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित की गयी है।

2- मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, लखनऊ बेंच द्वारा केस संख्या-4058 (रिट सी)/2025, श्रीमती मंगला व अन्य 2 बनाम उ0प्र0 राज्य में पारित आदेश के मुख्य कार्यकारी अंश निम्नलिखित है:-

"Before parting, we would like to put it on record that off late we find that whenever we order any officer to appear either in person or through video conferencing, invariably, we also ask the officer to submit an explantion on affidavit prior to the next date fixed in the matter. Such files are sent to our residence so that we may go through the affidavit, if any, filed by the officer, so that not much time is consumed during course of proceedings, however, almost everyday we find that the affidavits which are required to be filed before the date fixed are not on record, and invariably, they are filed on the date fixed in the Court itself. This is not at all a happy state of affairs, as, it unnecessarily wastes our time. On being confronted, Shri Manish Mishra, learned Additional C.S.C. informs that this is a difficulty which they are also facing, and this is on account of the fact that the officers do not contact the C.S.C. office well in time so that such affidavits can be filed at least three or four days prior to the date fixed. Shri Shailendra Kumar Singh, learned Chief Standing Counsel is also present. He says that he will look into the matter so that this situation does not arise in future. The officers would be better advised to contact the concerned Standing Counsel or C.S.C. well in advance so that the desired affidavit is filed promptly and is available in Court records for perusal of the Court, prior to the date fixed.

Copy of the writ petition [illegible] and also to the Legal Remembrancer [illegible] for [illegible] the same.

3- अतः इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, लखनऊ बेंच द्वारा क्रम संख्या-4058 (रिट सी)/2025 श्रीमती [illegible] व अन्य 2 बनाम [illegible] पारित उपरोक्त आदेश के अनुपालन में मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद एवं खण्डपीठ लखनऊ [illegible] के अधिकारीगण की ओर से दाखिल होने वाले शपथ पत्र मा0 न्यायालय में कम से कम तीन [illegible] पूर्व दाखिल किया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(विनोद सिंह रावत)

प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी।

संख्या- 136 /सात-न्याय-अनु0प्रको0/2025, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उ0प्र0 सरकार।

2- सीनियर रजिस्ट्रार, मा0 उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ को उनके पत्र दिनांक 23-05-2025 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।

3- मुख्य स्टाफ आफीसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन।

4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र)

विशेष सचिव, न्याय एवं अपर विधि परामर्शी।

Registrar General
High Court of Judicature at Allahabad
Lucknow

MOST URGENT

To,

The Legal Remembrancer
Goverment of Uttar Pradesh
Lucknow

WRIT-C 2/LKO/No. 5145

Dated: 23.05.2025

Sub: Regarding compliance of Hon'ble Court's order dated 19.05.2025

During the proceedings of Case No. 4058 (WRIC) 2025, "Smt Mangala and 2 Others Vs State of U.P. through Principal Secretary, Department of Revenue, Civil Secretariat, Lucknow and 4 Others". The Hon'ble Court had passed the following order on 19.05.2025

Before parting, we would like to put it on record that off late we find that whenever we order any officer to appear either in person or through video conferencing, invariably we also ask the officer to submit an explanation on affidavit prior to the next date fixed in the matter. Such files are sent to our residence so that we may go through the affidavit, if any, filed by the officer, so that not much time is consumed during course of proceedings, however, almost everyday we find that the affidavits which are required to be filed before the date fixed are not on record, and invariably, they are filed on the date fixed in the Court itself. This is not at all a happy state of affairs, as, it unnecessarily wastes our time. On being confronted, Shri Manish Mishra, learned Additional C.S.C. informs that this is a difficulty which they are also facing, and this is on account of the fact that the officers do not contact the C.S.C. office well in time so that such affidavits can be filed at least three or four days prior to the date fixed. Shri Shailendra Kumar Singh, learned Chief Standing Counsel is also present. He says that he will look into the matter so that this situation does not arise in future. The officers would be better advised to contact the concerned Standing Counsel or C.S.C. well in advance so that the desired affidavit is filed promptly and is available in Court records for perusal of the Court, prior to the date fixed.

Copy of this order be sent formally to the Chief Standing Counsel for further action and also to the Legal Remambrâncer, U.P. for ensuring the same.

I am therefore sending herewith a certified copy of Hon'ble Court's order dated 19.05.2025 for information and necessary compliance at your end.

Enclosure: As above

Senior Registrar
High Court of Judicature at Allahabad
Lucknow
'For Registrar General'